केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 201 शुक्रवार 14 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

वन दारोगा से बदसलूकी मुकदमा दर्ज

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। अवैध आरा मशीन को बंद कराने गई वन विभाग की टीम के साथ बदसलूकी की घटना सामने आई है। आरोप है कि अवैध ढंग से मशीन चलाने वालों ने अपशब्दों का प्रयोग करते हुए धमकाया। साथ ही सरकारी कार्य में बाधा डाली। नगर पुलिस ने वन दरोगा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बस्ती रेंज के वन दरोगा अभिलाष ने नगर थाने में तहरीर देकर बताया है कि वह नगर थाने के खंता चौराहे पर अवैध आरा मशीन संचालित होने की शिकायत पर पहुंचे थे। यहां पहुंचने पर अवैध ढंग से आरा मशीन संचालित होती मिली। यह देख उन्होंने अवैध आरा मशीन को बंद कराने की कार्रवाई शुरू की तो आरोपितों ने अपशब्द का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी दी। सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की।

थानाध्यक्ष नगर देवेन्द्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्रेमनरायन यादव और साहिल यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच एसआई रामेश्वर पांडेय को जांच सौंपी गई है।

छात्रा के साथ छेड़खानी, शिक्षकों से भी हुआ विवाद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिले के छावनी थानाक्षेत्र स्थित एक इंटर कॉलेज में पढ़ने जा रही हाईस्कूल की छात्रा के साथ उसी स्कूल के एक छात्र ने रास्ते में छेड़खानी की। विरोध करने पर अपशब्द कहा। छात्रा ने पहले स्कूल पहुंचकर छेड़खानी की शिकायत स्कूल में की। अध्यापकों ने छेड़खानी के आरोपी छात्र को फटकार लगाई। सूचना पाकर आरोपी छात्र के परिजन भी स्कूल पर पहुंच गए। इस दौरान आरोपी छात्र व परिजनों से स्कूल के अध्यापक व प्रधानाचार्य से ही वाद–विवाद हो गया।

विधालय के प्रधानाचार्य ने छावनी पुलिस को तहरीर देकर छात्रा से छेड़खानी करने वाले छात्र को समझाने अपशब्द कहने व गोली मार देने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस मामले में पीड़ित छात्रा के पिता ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि बेटी को प्रतिदिन स्कूल जाते समय रास्ते में रोककर छेड़खानी की शिकायत की है। आरोप है कि इसके पूर्व भी आरोपी छात्र ने अश्लील मैसेज व कमेंट छात्रा को भेजें हैं। थानाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच कर उचित कार्रवाई की जा रही है।

76 स्कूलों पर हुई प्रयोगात्मक परीक्षा

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। यूपी बोर्ड की प्रयोगात्मक परीक्षाएं जिले में नौ फरवरी रविवार से चल रही हैं। डीआईओएस कार्यालय के अनुसार जिले के 76 स्कूलों में प्रयोगात्मक परीक्षा हुई। इस दौरान गणित, भौतिक विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल, व्यवसायिक शिक्षा से संबंधित विषयों के प्रैक्टिकल सम्पन्न हुआ। इसमें करीब 56 सौ छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

प्रयोगात्मक परीक्षा के दौरान पारदार्शिता व शुचिता के लिए इस बार प्रयोगात्मक परीक्षा के बाद उसी दिन छात्र–छात्राओं का नंबर एप पर अपलोड करने का निर्देश दिए गए हैं। प्रयोगात्मक परीक्षा की रिकॉर्डिंग भी कराई जा रही है। इसे प्रधानाचार्य को सुरक्षित रखना होगा। डीआईओएस कार्यालय पर प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां दस कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिनके स्तर से लगातार प्रयोगात्मक परीक्षा की शुचिता की निगरानी की जा रही है। परीक्षा के दौरान पर्यवेक्षक भी तैनात रहे।

वक्फ संशोधित बिल पर जेपीसी रिपोर्ट पेश करने को लेकर संसद में हंगामा

नयी दिल्ली (आभा)। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट गुरूवार को विपक्षी सदस्यों के भारी हंगामे के बीच लोकसभा के पटल पर रखी गई। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने रिपोर्ट को पटल पर रखा। इससे पहले, आज यह रिपोर्ट राज्यसभा के पटल पर भी रखी गई। संसद के वर्तमान बजट सत्र के पहले चरण का गुरूवार को आखिरी कामकाजी दिन था।

समिति की रिपोर्ट गत 30 जनवरी को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की सौंपी गई थी। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू द्वारा लोकसभा में पेश किए जाने के बाद आठ अगस्त, 2024 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया था।विधेयक का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों को विनियमित और प्रबंधित करने से जुड़े मुद्दों और चुनौतियों का समाधान करने के लिए

वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करना है।

इसे लेकर दोनों सदनों में विपक्ष ने आपत्ति जताई। इनका आरोप है कि जेपीसी रिपोर्ट में उनकी असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'जेपीसी की यह रिपोर्ट फर्जी है। इसमें विपक्ष की असहमतियों को डिलीट कर दिया गया। ये असंवैधानिक है।'

आप सांसद संजय सिंह ने कहा, 'हमने अपना पक्ष रखा। इससे सहमत या असहमत हो सकते हैं, लेकिन कूड़ेदान में कैसे डाल सकते हैं।'

इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'विपक्ष के कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई थी कि उनकी राय को इसमें नहीं जोड़ा गया। मैं कहना चाहता हूं कि विपक्ष के सदस्य संसदीय कार्य प्रणाली के तहत जो कुछ भी जोड़ना चाहते हैं, वो जोड़ सकते हैं। उनकी पार्टी को इसमें कोई भी आपत्ति नहीं है।'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश किया और लोकसभा अध्यक्ष से इसे सदन की प्रवर समिति को भेजने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सात फरवरी को नये आयकर विधेयक को मंजूरी दी थी, जो छह दशक पुराने आयकर अधिनियम की जगह लेगा।

सदन में विधेयक पेश किए जाने का तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय समेत कुछ विपक्षी सदस्यों ने विरोध किया। वित्त मंत्री ने सदस्यों की आपत्तियों के बीच विधेयक सदन में प्रस्तुत किया और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इसे सदन की प्रवर समिति को भेजने का अनुरोध किया।

नया विधेयक प्रत्यक्ष कर कानून को समझने में आसान बनाने और कोई नया कर बोझ नहीं लगाने की एक कवायद है। इसमें प्रावधान और स्पष्टीकरण या कठिन वाक्य नहीं होंगे। नए विधेयक की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक फरवरी को अपने बजट भाषण में की थी।

विदेश कमाने गया युवक गिरफ्तारः पिता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। विदेश भेजने के नाम पर एक युवक को फंसाने का मामला सामने आया है। विदेश पहुंचने पर युवक को प्रतिबंधित दवाओं के पैकेट के साथ पकड़ लिया गया। उस पर केस दर्ज करने के साथ ही मस्कट जेल में कैद कर दिया गया। पीड़ित युवक के पिता ने इसकी शिकायत पुलिस अफसरों से की। आरोपी विकास जायसवाल को परसरामपुर पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। प्रकरण में परसरामपुर पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लालगंज क्षेत्र के बिरतिया निवासी राम जतन ने तहरीर में बताया कि उसी थानाक्षेत्र के सूरापार निवासी अली अहमद, दिनेश और परसरामपुर क्षेत्र के मजगंवा माफी निवासी विकास जासवाल ने उसके बेटे ओंकार को खाड़ी देश में भेजने का वादा किया। आरोप है कि बेटे ओंकार से वीजा–पासपोर्ट और अन्य अभिलेखों को तैयार कराने के नाम पर एक लाख रुपये ले लिया। आरोपी विकास जायसवाल आठ जुलाई 2024 को ओंकार को बस्ती से लखनऊ हवाई अड्डे तक ले गया।

उड़ान से पहले उसे एक दवा का पैकेट दिया और कहा कि इसे ओमान में महेंद्र नामक व्यक्ति को मिलने पर दे देना। राम जतन के अनुसार उनका बेटा ओंकार जब मस्कट हवाई अड्डे पर पहुंचा तो सुरक्षा जांच के दौरान उस दवा की पैकेट की वजह से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपितों ने साजिश व फ्राड करके उनके बेटे से एक लाख रुपया हड़प लिया गया और ओमान का तीन माह का टूरिस्ट बीजा और दवा का पैकेट देकर उसे विदेश की जेल में पहुंचा दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी अली अहमद, दिनेश चन्द्र व विकास जायसवाल के खिलाफ साजिश, ठगी और मानव तस्करी के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जमीनी रंजिश में मारा पीटा, घर जला दिया, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । कप्तानगंज थाना क्षेत्र के चेरूइया निवासी विजय पुत्र हरिश्चन्द्र ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में कहा गया है कि गांव के ही सुदेश पुत्र बृजलाल ने जमीनी रंजिश के चलते उनके घर के निकट आम, पपीता, कटहल आदि का पेड काट लिया और मना करने पर भद्दी–भद्दी गालियां दी। उसके छप्परनुमा घर में आग लगा दिया जिससे कीमती सामान जल गया। कप्तानगंज पुलिस ने मामले 21 जनवरी को घटित घटना के मामले में मुकदमा पंजीकृत नहीं किया और उसे लगातार दौड़ाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझायी। मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाया जाय।

बोर्ड परीक्षा, डीएम ने किया स्ट्रांग रूम, कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने राजकीय कन्या इन्टर कालेज के स्ट्रांग रूम व कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने परिसर में निर्माणाधीन कक्षों, लैब आदि को देखा। उन्होने पाया कि कन्ट्रोल रूम में टेबल कम व नेटवर्क की समस्या है। इस पर उन्होने प्रधानाचार्य व अवर अभियन्ता को बोर्ड परीक्षा को शुचितापूर्ण कराने के दृष्टिगत टेबल बढ़ाने व अन्य कम्पनी के नेटवर्क जुड़वाने तथा बोर्ड परीक्षा, 2025 के पहले स्ट्रांग रूम को सुदृढ़ करने हेतु निर्देश दिया।

उन्होने पाया कि कक्षों के निर्माण कार्य पूर्ण व अन्तिम स्तर पर है तथा विद्युत, सी०सी०टी०वी० कैमरे व खिड़कियों में शीशें नहीं लगे है। अवर अभियन्ता को निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षा के पहले विद्युत, सी०सी०टी०वी० कैमरे व खिड़कियों में शीशें लगवा दिये जाएं, जिससे बोर्ड परीक्षा में कक्षों को उपयोग में लाया जा सके। निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था यूपीसिडको द्वारा कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

किसान से रिश्वत लेते लेखपाल गिरफ्तार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। एक लेखपाल को विजिलेंस टीम ने घूस लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। लेखपाल ने जैसे ही किसान के हाथों से रुपए लिए वैसे ही आसपास छिपे विजिलेंस के अधिकारी–कर्मचारी सामने आ गए। इस तरह रंगे हाथों पकड़े जाने पर लेखपाल हैरान रह गया लेकिन वह जब तक कुछ कर पाता विजिलेंस टीम ने उसे दबोच कर गाड़ी में बैठा लिया। इसके तुरंत बाद टीम आरोपी लेखपाल को लेकर कोतवाली चली गई।

मामला बस्ती की सदर तहसील के बहादुरपुर विकास खंड का है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी लेखपाल बहादुरपुर विकास खंड के अगई भगाड़ ग्राम पंचायत में तैनात है। किसान ने विजिलेंस से उसकी शिकायत की थी। किसान का कहना था कि लेखपाल ने जमीन से संबंधित काम के लिए उससे रिश्वत मांगी थी। वह पिछले कई दिनों से किसान को दौड़ा रहा था। किसान का कहना है कि वह बहुत परेशान हो गए थे।

किसान की शिकायत सुनकर विजिलेंस टीम ने लेखपाल को पकड़ने का प्लान बनाया। गुरुवार की सुबह 11.30 बजे विजिलेंस टीम के सदस्य सदर तहसील के पास मुस्तैद हो गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक आरोपी लेखपाल वेदप्रकाश दुबे ने जैसे ही किसान से रुपये लिए विजिलेंस टीम के सदस्य सामने आ गए। उन्ध्होंने लेखपाल को दबोच कर गाड़ी में बैठा लिया। विजिलेंस टीम, आरोपी लेखपाल को पकड़कर कोतवाली चली गई। लेखपाल के खिलाफ विजिलेंस ऐक्ध्शन के दौरान मौके पर काफी लोगों की भीड़ जुट गई थी। लोगों ने विजिलेंस टीम को लेखपाल को पकड़ते हुए देखा। वहीं विजिलेंस के इस ऐक्शन के बाद कुछ लेखपाल कार्रवाई के विरोध में उतर आए। उन्होंने पकड़े गए रिश्वत लेने के आरोपी लेखपाल को साजिशन फंसाने का आरोप लगाया।

चार पुलिस कर्मियों पर दलित युवक को मारने पीटने का आरोपः डीआईजी, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के कोल्हुआ निवासी अजय पुत्र बाबूलाल ने एसपी और डीआईजी को पत्र देकर कहा है कि वह पेश से मजदूर और दलित वर्ग का है। उसके गांव में भगवान शंकर और काली माता का मंदिर सबके सहयोग से बनवाया गया है। गत 5 फरवरी को अज्ञात चोर शंकर जी के हाथ से त्रिशूल चुरा ले गये। इस मामले में 10 फरवरी को पुरानी बस्ती पुलिस द्वारा उसे थाने पर बुलवाया गया । वह अपने पिता और ग्राम प्रधान के साथ थाने पर पहुंचा। उसे थाने पर बैठा लिया गया और थानाध्यक्ष के कहने पर चार पुलिसकर्मियों ने उसे बेल्ट से बुरी तरह से मारा पीटा। उस पर पुलिस वालों ने दबाव बनाया कि जुर्म स्वीकार कर लो या दूसरे किसी का नाम बताओ। उससे 5 हजार की मांग किया गया, पुलिस वालों ने कहा कि रूपया दो नहीं तो और पिटाई होगी। उसके पिता और ग्राम प्रधान थाने से उसे छुडाकर लाये।

कोल्हुआ निवासी अजय पुत्र बाबूलाल ने एसपी को पत्र देकर मांग किया है कि चार पुलिस कर्मियों की पहचान कर उसे मारने पीटने, धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज कर न्याय दिलाया जाय।

सफाई कर्मचारियों की बैठक में गूंजा एसीपी का मुद्दाः दिया आन्दोलन की चेतावनी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । गुरूवार को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य की अध्यक्षता में संघ के ब्लाक और जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में 16 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले सफाई कर्मचारियों को नियमानुसार द्वितीय एसीपी का लाभ दिलाये जाने का मुद्दा छाया रहा।

बैठक को सम्बोधित करते हुये संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने कहा कि एसीपी का लाभ दिलाये जाने की मांग को लेकर संघ पदाधिकारियों के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के साथ ही जिला पंचायत राज अधिकारी रतन कुमार को मांग पत्र दिया था। जिलाधिकारी के आश्वासन के बावजूद अभी तक एसीपी का कार्य विभागीय स्तर पर शुरू नहीं किया गया। इससे सफाई कर्मियों में रोष है। कहा कि सफाईकर्मी एसीपी के लाभ के लिये किसी को रिश्वत न दें, यह उनका अधिकार है। यदि एक सप्ताह के भीतर एसीपी न लगाया गया तो संघ निर्णायक आन्दोलन को बाध्य होगा।

बैठक में मुख्य रूप से संघ के जिला मंत्री मनोज चौहान, संगठन मंत्री राम कृपाल चौधरी, लेखा सम्प्रेक्षक अमित चक्रवर्ती, अतुल पाण्डेय, राजेश कुमार, शिवमंगल पाण्डेय, संजय यादव, बलराम यादव, बजरंगी, सूर्यमणि पाण्डेय, लालजी निषाद, विजय भारत, विपिन कुमार दूबे, समयदीन, बजरंगी, हनुमान प्रसाद , जयश्री, श्रीचन्द, अक्षय कुमार यादव, राम पाल भारती, जय श्री, राजेश कुमार, बुधई प्रसाद, भरतराम, शेषराम वर्मा, देवेन्द्र कुमार, महेन्द्र कुमार, सुधीर कुमार भारती, माया देवी, उमेश कुमार चौधरी, महीबुल्लाह, देवेन्द्र कुमार सिंह, कृष्ण कुमार, अरूण कुमार, बासदेव, कप्तान कुमार, चन्द्रिका प्रसाद, धर्मेन्द्र कुमार के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी और सफाईकर्मी उपस्थित रहे।

3 करोड़ से होगा 99 नलकूपों का मरम्मत स्थापित किये जायेंगे 100 नये नलकूप

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक विकास भवन सभागार में उपाध्यक्ष गजेन्द्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान समय से कर दिया जाय तथा उनको उन्नतिशील प्रजाति के गन्ने की बुआई करने हेतु प्रेरित किया जाय, जिससे शासन की मंशानुरूप किसानों की आय में वृद्धि हो सकें।

बैठक में अधिशासी अभियन्ता नलकूप ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में 100 नये नलकूप स्थापित किए जायेंगे। वर्तमान में 99 नलकूप का अनुरक्षण एवं मरम्मत लगभग 03 करोड़ रूपये की लागत से कराये जाने का लक्ष्य संचालित है। जनपद में 37 आदर्श नलकूप चिन्हित कर बनाये गये है। उपायुक्त मनरेगा

संजय शर्मा ने बताया कि भू–जल दोहन तथा प्राकृतिक पर्यावरण एवं श्रोतो के संरक्षण पर मनरेगा योजना के तहत 60 प्रतिशत फंड/धनराशि खर्च किया जा सकता है। समिति के नामित अधिकारीगण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण करने में सामूहिक योगदान दें। भूमि संरक्षण विभाग के प्राविधिक सहायक विपिन कुमार ने बताया कि 20 22 3 मीटर का तालाब की खुदाई कराके किसान रू0 52500 का अनुदान लक्ष्य के सापेक्ष प्राप्त कर सकता है।

उपाध्यक्ष ने नहरों में की गयी शिल्ट सफाई के कार्यो पर गहरी आपत्ति प्रकट की और कहा कि इसके लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा जायेंगा। उद्यान विभाग के निरीक्षक भानुप्रताप त्रिपाठी ने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए 1957 हेक्टेयर का लक्ष्य स्पिंगलर एवं ड्रिप सिंचाई के लिए प्राप्त था, उसके सापेक्ष लगभग 500 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। बैठक में विधायक हर्रैया के प्रतिनिधि सरोज मिश्रा, सदर के मु0 सलीम, महादेवा के फूलचन्द्र श्रीवास्तव, अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड 4/नोडल राकेश कुमार गौतम, अयोध्या के पारसनाथ, संजय कुमार शुक्ल, जगदीप कुमार, सत्येन्द्र विश्वकर्मा, रामनरेश, हरिश्चन्द्र उपाध्याय, प्रिंस वर्मा, अश्वनी प्रताप, शंशाक मिश्रा, रामवृक्षराम, बागिथ कुमार गुप्ता, कमलेश कुमार, गरिमा द्विवेदी, सरोज कुमार, बलिकरन चौहान तथा दुर्गेश कुमार उपस्थित रहें।

विश्व हिन्दू महासंघ की भव्य शोभा यात्रा, समरसता भोज 18 को

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। विश्व हिन्दू महासंघ की मासिक बैठक अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर पर जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 18 फरवरी मंगलवार को संत शिरोमणि गुरू रविदास जयन्ती के उपलक्ष्य में शिविर कार्यालय सुलक्ष्मी टावर अस्पताल चौराहा से अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वरनाथ शिव मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा, समरसता भोज की रूप रेखा पर विचार किया गया।

बैठक में महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्व हिन्दू महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति, प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश यादव, बाइसा करिश्मा हाड़ा के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य और विद्वान वक्ता हिस्सा लेंगे। बताया कि सामाजिक समरसता के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मासिक बैठक को प्रदेश मंत्री अजय मिश्र, जिला प्रभारी विन्द गोपाल त्रिपाठी, सौरभ तिवारी, विजय शंकर शुक्ल ने सम्बोधित करते हुये कहा कि महासंघ का उद्देश्य समाज में सामाजिक समरसता को बढावा देकर ऊंच नीच की व्यवस्था को समाप्त करना है।

बैठक में मुख्य रूप से अमरजीत सिंह, राकेश सिंह, बाबा जय प्रकाश दास, राजकुमार 'मन्टू' चौधरी, विपिन सिंह, महेश हिन्दुस्थानी, सतीश पाण्डेय, रूप नरायन गौड़, बाल कृष्ण सिंह, अजय सिंह, विष्णु प्रताप सिंह, संजू सिंह, जमुना प्रसाद, अर्पण श्रीवास्तव, संदीप कमलापुरी, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, उदय सिंह, राहुल श्रीवास्तव, उपेन्द्र सिंह, राजेश कसौधन, कुलदीप मिश्र, नीलम सिंह, दीपमाला, अनसुइया, अंकिता सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी, सदस्य उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 फरवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

एआई अवसर और आशंका

पेरिस में संपन्न एआई एक्शन समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को स्वीकारते हुए सुरक्षा उपायों पर बल दिया गया। फ्रांस के तत्वाधान में आयोजित समिट राष्ट्रपति मैक्रों के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह–अध्यक्षता में संपन्न हुई। जो भारतीय प्रतिभाओं की वैश्विक साख को भी दर्शाता है। निश्चित रूप से यह समय एआई के क्षेत्र में भारत को अपनी प्राथमिकता तय करने का है। हालांकि, समिट में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संवर्द्धन के रोडमैप पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में गहरे मतभेद भी उजागर हुए। मेजबान फ्रांस,भारत व प्रमुख हितधारक चीन समेत दुनिया के साठ देशों ने डिजिटल विभाजन को कम करने के लिये एआई पहुंच को बढ़ावा देने, इसे खुला,समावेशी, पारदर्शी, नैतिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने के संकल्प लेते हुए एक संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर किए। वहीं अमेरिका और ब्रिटेन ने इस पर असहमति जतायी और हस्ताक्षर नहीं किए। ट्रंप जैसे तेवर अपनाते हए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने वैश्विक नेताओं व तकनीक उद्योग के अधिकारियों को चेताया कि अत्यधिक विनियमन से तेजी से बढ़ते एआई उद्योग की गति थम सकती है। जो बताता है कि अमेरिका एआई जोखिमों को कम करने के यूरोप के प्रयासों से खुश नहीं है। दरअसल, एक अधीर राष्ट्रपति के नेतृत्व में अमेरिका एआई की अपार संभावनाओं पर वर्चस्व चाहता है। उसे चीन की चुनौती भी स्वीकार नहीं है। हालांकि, इसी तर्ज पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई इस सदी में मानवता के लिये नया कोड लिख रही है। लेकिन साथ ही एआई को वैश्विक भलाई के लिये विकसित करने पर भी बल दिया। जिसका संदेश यह भी है कि इसका उपयोग देश विशेष अपने निजी हितों तक सीमित न रखे। यानी एआई नवाचार को बढ़ावा तो दिया जाना चाहिए, लेकिन इसके नियमन को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, बड़े पैमाने पर एआई के दुरुपयोग की आशंका के बीच विश्वास, सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ाने के लिये एक वैश्विक ढांचा स्थापित करना अपरिहार्य ही है।

दरअसल, यही वजह है कि यूरोपीय देशों ने इस दिशा में सतर्क रुख अपनाया है। ताकि जांच और संतुलन बनाने वाले कदमों से दुनिया में डीपफेक व भ्रामक प्रचार पर अंकुश लगाया जा सके। फलतरू भविष्य में नियामक मानदंडों को आसान बनाने पर सहमति बनानी जरूरी है। इसके लिये पूरी तरह से दरवाजे खोलना किसी आपदा को आमंत्रण जैसा भी हो सकता है। पेरिस में एक्शन समिट ऐसे वक्त में हुई है जब एआई में अमेरिकी वर्चस्व को चीनी कंपनी डीपसीक जबर्दस्त चुनौती दे चुकी है। उसने कम लागत में बेहतर एआई टूल पेश करके बताया है कि इस दौड़ में चीन कहीं आगे निकल चुका है। निस्संदेह, इस क्षेत्र में तमाम नई खोजों की संभावनाएं बरकरार हैं। लेकिन सुरक्षा मुद्दों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। निस्संदेह, आने वाला समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता का है, लेकिन इसका अनियंत्रित विकास मानवता के लिए घातक भी साबित हो सकता है। ऐसे में एआई विकास में पारदर्शिता व नियमन के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने भी जरूरी हैं। जरूरी है कि हम एआई की वैश्विक चुनौती के बीच अपने इंजीनियरों व वैज्ञानिकों की मेधा का बेहतर उपयोग करके नयी खोजों का मार्ग प्रशस्त करें। अन्यथा भारत एआई की नई खोजों की दौड़ में पिछड़ सकता है। फिक्र है कि भारत जैसे बड़ी बेरोजगारी वाले देश में कहीं एआई रोजगार संकट का वाहक न बने। कम जनसंख्या वाले विकसित देशों के लिये जहां यह तकनीक उपयोगी साबित होगी, वहीं श्रम प्रधान संस्कृति वाले भारत में यह विसंगति भी पैदा कर सकती है। निश्चित रूप से एआई के इस्तेमाल से बेहतर कार्य संस्कृति पैदा होगी, लेकिन यह प्रयास रोजगार के अवसर कम न करे। कृत्रिम मेधा के नियमन और नवाचार के साथ हम रोजगार के अवसर भी बढ़ाएं। भारत में एआई को तेजी से अपनाया जा रहा है। नीति आयोग ने भी इसे प्रोत्साहन देने के लिये राष्ट्रीय नीति तैयार की है। आने वाले वर्षों में एआई की देश की सुरक्षा, आर्थिकी, चिकित्सा, कृषि तथा शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। लेकिन जरूरी है कि युवाओं के लिये पर्याप्त रोजगार के अवसर भी सृजित हों। भारतीय युवा भी खुद को इस नई चुनौती के अनुरूप तैयार करें।

बालमन को चाहिए खुला आसमान

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा-

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर परीक्षाओं से पहले देश के परीक्षार्थी बच्चों, अध्यापकों और अभिभावकों से मन की बात के माध्यम से संवाद कायम कर मोटिवेट करने की बड़ी पहल की है। मन की बात में परीक्षा पर चर्चा के आठवें संस्करण का महत्व इसलिए महत्वपूर्ण और सामयिक हो जाता है कि आने वाले दिनों में सीबीएसई और राज्यों के बोर्डों की परीक्षाएं होने जा रही है। देश के प्रधानमंत्री की संपूर्ण परीक्षा व्यवस्था और इसके साइड इफेक्ट को समझते हुए संवाद कायम करना अपने आप में महत्व रखता है। देश के लगभग सभी कोनों से तनाव, शिक्षकों और अभिभावकों की अतिमहत्वाकांक्षा के चलते बच्चों द्वारा डिप्रेशन में जाने और अपनी जीवन लीला समाप्त करने के समाचार आम होते जा रहे हैं। हांलाकि शिक्षा नगरी कोटा बच्चों की आत्महत्या के लिए बदनाम हो गया है पर कोटा से अधिक आत्महत्याएं देश के अन्य हिस्सों में भी हो रही है। हांलाकि कोचिंग हब कोटा को आत्महत्याओं के दाग को धोने के लिए सार्थक प्रयास करने होंगे। खैर यह विषयांतर होगा। खास बात यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक जिम्मेदार अभिभावक की भूमिका निभाते हुये ना केवल परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई की है अपितु अध्यापकों और पैरेंट्स को भी स्पष्ट संदेश दिया है।

इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि बच्चों के कोमल मन को प्रतिस्पर्धा के बोझ तले दबाने में आज घर, परिवार, समाज, शिक्षा केन्द्र और सोशियल मीडिया प्रमुखता से नकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। पता नहीं शिक्षा व्यवस्था में भी यह किस तरह का बदलाव है कि 20–21 वीं सदी में दसवीं पास करना बड़ी बात माना जाता था तो परीक्षा देने वाले लाखों बच्चों में से फर्स्ट डिविजन कुछ हजार तक ही रहते थे उसके बाद लगभग दोगुणे द्वितीय श्रेणी में व बाकी तीसरी डिविजन में संतोष कर लेते थे। आज हालात यह है कि परीक्षा देने वाले अधिकांश बच्चों के मार्क्स तो 90 प्रतिशत या इससे अधिक ही होते हैं। 80 से 90 प्रतिशत तक उससे कम और पर उनसे भी कम बच्चें इससे कम प्रतिशत में होते हैं। यहां सवाल परीक्षा प्रणाली को लेकर हो जाता है तो दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा की यह खिचड़ी 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों और खासतौर से उनके पैरेंट्स में होने लगी है। अब तो हो यह गया है कि पैरेंट्स की प्रतिष्ठा के लिए बच्चों की बली चढ़ाई जाने लगी है। प्रधानमंत्री मोदी ने सही ही कहा है कि कूकर के प्रेशर की तरह बच्चों को प्रेशर में रखना ही अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका में आ गया है। अब अभिभावक दिशा देने वाले के स्थान पर अपनी कुंठा को बच्चों से पूरा कराने में जुटे हैं। यह वास्तविकता है। बच्चे की लगन किसी और दिशा में होती है और उससे अपेक्षा कुछ और करने या बनाने की होने लगती है। कुछ बच्चों का कोमल मन यह प्रेशर सहन नहीं कर पाता है और डिप्रेशन या मौत को गले लगा लेते हैं और फिर पैरेंट्स आंसू पूछते रह जाते हैं।

परीक्षा पर चर्चा की अच्छी बात यह है कि देश के 3.30 करोड़ बच्चों, 20 लाख शिक्षकों और साढ़े पांच लाख से अधिक अभिभावक इससे जुड़े। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बैटिंग करने वाले खिलाड़ी की भूमिका निभाने का संदेश दिया तो टाइम मैनेजमेंट पर फोकस करने, लिखने की आदत डालने, खुल कर अपनी बात कहने, मन को शांत रखने, केवल किताबी कीड़ा नहीं बनने, रोबोट नहीं इंसान बनने और पूरी नींद लेने के लिए मोटिवेट किया। सबसे खास बात यह कि बच्चों को स्वयं से प्रतिस्पर्धा करने का संदेश दिया। हमें दूसरे के स्थान पर स्वयं से प्रतिस्पर्धा करनी है। स्वयं से प्रतिस्पर्धा करेंगे तो आत्मविश्वास बढ़ेगा। दरअसल होता यह है कि दूसरे प्रतिस्पर्धा करने के चक्कर में नकारात्मकता अधिक आती है। होना तो यह चाहिए कि अपनी कमियों को ही सबक बनाकर बहुत कुछ सीखा जा सकता है। आज बच्चों को खुला आसमान चाहिए। जहां वह अपनी क्षमता का बेहतर प्रदर्शन कर सकें। मोदी जी ने बच्चों को मोटिवेट करते हुए कहा है कि विफलताओं से निराश नहीं होकर उससे सबक लेना चाहिए। जीवन में सफल होने के लिए बहुत कुछ होता है। मोदी जी ने मन की बात में बच्चों, परिजनों और टीचर्स तीनों को ही संदेश देने का प्रयास किया है। होता यह है कि जो बच्चें होशियार होते हैं या प्रभावशाली परिवार के हैं तो टीचर्स का उन पर विशेष ध्यान होता है और जो बच्चें कमजोर होते हैं तो पीटी मीटिंग के माध्यम से पैरेंट्स को नीचा दिखा कर इतिश्री कर लेते हैं। बच्चों की नाकामी पर कभी किसी स्कूल ने या टीचर ने जिम्मेदारी ली हो यह आज तो लगभग असंभव ही है। चाहे आप पढ़ाई के नाम पर स्कूल को कितनी ही फीस देते हो आप पर प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष तौर पर बच्चें को ट्यूशन कराने का दबाव तो आ ही जाता है। यदि शिक्षण संस्थानों में कमजोर और औसत बच्चों पर अधिक ध्यान दिया जाएं तो तस्वीर का पहलू दूसरा ही हो सकता है। इसी तरह से पैरेंट्स को भी नसीहत देने में मोदी जी पीछे नहीं रहे हैं। पैरेंट्स को बच्चों की लगन, रुचि को समझना होगा। अपनी अपेक्षाएं उस पर लादने के स्थान पर दिशा देने के प्रयास करने होंगे। बच्चों के साथ बैठकर खुलकर बात करें। उनकी ईच्छा, लगन और कोई परेशानी है तो उसे समझने का प्रयास करें। बच्चों में परस्पर तुलना करके बालक मन को कुंठित नहीं करना चाहिए। बच्चों को निराश करने के स्थान पर मोटिवेट करने के समग्र प्रयासों की आवश्यकता है। बच्चों को मशीन नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों को समझाया यह जाना चाहिए कि 24 घंटें का समय सभी के पास होता है, इस समय को किस प्रकार से उपयोग करना है इस पर फोकस हो तो निश्चित रुप से अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कहने का अर्थ यह है कि बच्चों का मनोबल बढ़ाने उनमें सकारात्मकता विकसित करने की दिशा में हमें काम करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परीक्षाओं से पहले अपने प्रधानमंत्री काल में 8 वीं बार परीक्षा पर चर्चा करते हुए बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों को संदेश देने का सार्थक प्रयास किया गया है। अब सबका दायित्व हो जाता है कि इन सकारात्मक पक्षों को बच्चों तक पहुंचाया जाएं। बच्चों को समझाना होगा कि बड़ी बात जीवन में सफल होना है।

आनन्द मिश्रा की युवा संघर्ष यात्रा

—मनोज सिंह—

भारतीय राजनीति में पदयात्राओं का पुराना इतिहास रहा है आजादी के पहले गांधी जी ने नमक कानून तोड़ने के लिए अहमदाबाद से दांडी तक 241 किलोमीटर की पदयात्रा 25 दिन में पूरी किया लेकिन यह पदयात्रा अंग्रेजी शासन के विरोध में था 20 वीं और 21वीं सदी के पहले गुरु नानक, गौतम बुद्ध ,शंकराचार्य से लेकर गांधी जी की पदयात्राओं का आदर्श इतिहास रहा है

आजाद भारत में राजनीतिक पद यात्राओं की बात अलग है आचार्य विनोबा भावे 1991, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर सिंह 1983 वाई एस आर 2003, चंद्रबाबू नायडू 2013 दिग्विजय सिंह 2017 ,में पदयात्रा के माध्यम से लोगों से जुड़कर विभिन्न प्रदेशों में मुख्यमंत्री बनने का इतिहास रहा है राजनीति की चमक और दमक देखने में बहुत अच्छा लगता है लेकिन ईमानदारी से राजनीति करने में संघर्ष बहुत करना पड़ता है यह अलग बात है कि कुछ लोग इस दल से उस दल में कुदकर मुख्यमंत्री की कुर्सी तक पहुंचे लेकिन ईमानदारी से जन समर्थन हासिल करना कठिन कार्य है ,राजनीति का सबसे कठिन अध्याय लम्बी पदयात्रा ही होता है यही कारण है पद यात्रा लंबे समय तक चलाना बहुत कठिन कार्य होता है लेकिन बिहार की धरती पर रोहतास जिला के कोनार , करगहर के यशस्वी और संघर्षों का इतिहास रचने वाले युवा आदरणीय प्रशांत किशोर जी ने 2 अक्टूबर 2022 से पदयात्रा के माध्यम से दो साल से अधिक समय 28 महीने में लगभग 22 या 23 जिले में पांच हजार किलोमीटर से अधिक गांव गली और कूचों में जन जन की समस्याओं का अध्ययन और दूषित जातिवादी राजनीति को समाप्त करने के लिए संकल्पित नजर आयें

बिहार की जन सुराज यात्रा की रिपोर्टिंग के सिलसिले में संपादक आदरणीय प्रदीप चन्द्र पाण्डेय जी से अनुमति लेकर हमारी पांचवी यात्रा 8 फरवरी 2025 को रोहतास जिले में युवाओं के हृदय सम्राट आनंद मिश्रा जी द्वारा चलाए जा रहे युवा संघर्ष यात्रा में पहुंचकर 9 फरवरी को संयोग वश प्रशांत किशोर जी के पैतृक गांवध् कस्बा कोनार, करगहर रोहतास होते हुए सासाराम,शिवसागर, चेनारी, कैमूर जिला तक विभिन्न गांवों और कस्बा के लोगों के बड़े, बुजुर्गों और माताओं बहनों का आशीर्वाद लेते हुए नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से जन संवाद करते हुए आनंद मिश्रा जी ने लगभग 70 से 80 किलोमीटर की युवा संघर्ष यात्रा बाइक के माध्यम से प्रति दिन करते हुए शाम देर रात तक विश्राम स्थल पर देर रात तक वहां के स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए उनके चेहरे पर हमने थकान के भाव नहीं देखे आनंद मिश्रा जी को यूं ही असम का सिंघम नहीं कहा जाता जो 13 सालों तक असम में पुलिस अधीक्षक के पद की जिम्मेदारी निभाकर अपने मातृभूमि बिहार भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत पडसौरा गांव के निवासी हैं बिहार के युवाओं को जागृत करने के लिए प्रशासन का सुख छोड़कर आज बिहार के गांव गली में मुस्कुराते हुए सबसे मिल रहे हैं और सब लोग उनको भी भरपूर प्यार दे रहे हैं

दूसरी तरफ प्रशांत किशोर जी दो साल से अधिक पद यात्रा करके पटना में गंगा जी के तट पर विगत एक माह से सत्याग्रह आश्रम स्थापित करके बिहार के विभिन्न जिलों के सामाजिक तथा उत्साही युवाओं को बिहार की खुशहाली के लिए नई राजनीतिक व्यवस्था और समाज की भलाई के लिए प्रशिक्षित कर रहे हैं

जन सुराज में शामिल होने वाले बिहार के ईमानदार अफसर , शिक्षक और डाक्टर, प्रबुद्ध और सामाजिक लोगों तथा व्यवसायियों और युवाओं की लम्बी अनुशासित हजारों और लाखों की संख्या में लोग हैं

संक्षिप्त परिचय में अरविंद कुमार सिंह आई ए एस, राकेश कुमार मिश्रा पूर्व डी जी होमगार्ड, पूर्व आईएएस एन पी मंडल जी, राम विलास पासवान जी,अजय कुमार, सुरेश शर्मा जैसे अनेक प्रशासनिक अधिकारी हैं वहीं फोर्स से कुछ रिटायर विजय सिंह जी, सुरेश राय जी तथा युवाओं में राकेश रंजन और अजीत रंजन जैसे युवाओं की लम्बी लिस्ट है वहीं करगहर रोहतास की यात्रा में समर्पित भाव से लगें विनय कुमार सिंह,समीम अहमद, अरविंद सिंह प्रवीण कुमार, नवीन विनय जायसवाल सहित अनेक युवाओं का समर्पण भाव देखकर अच्छा लगा कभी विस्तार से समर्पित लोगों की चर्चा होगी

युवा संघर्ष यात्रा के नायक युवाओं के दिलों के चहेते, अपने नाम अनुरुप खुशी का इजहार करते हुए जन सुराज के संस्थापक और सुचधार प्रशांत किशोर जी के लक्षण की भूमिका में पूर्व आईपीएस अधिकारी आनन्द मिश्रा जी नजर आयें

दो वर्षों से अधिक समय से निरंतर चल रही जन जागृति जन सुराज की यात्रा का सकारात्मक असर 2025 के अक्टूबर और नवंबर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में जरूर दिखाई पड़ेगा

खाद्य, कृषि व्यवस्था और बहुराष्ट्रीय कम्पनियां

—भारत डोगरा—

विश्व की खाद्य व कृषि व्यवस्था पर चंद बहुराष्ट्रीय कंपनियों का अधिक व बढ़ता नियंत्रण एक बड़ी चिंता का विषय रहा है। एक समय अनेक किसान व सामाजिक आंदोलनों की उम्मीद थी कि इन विशालकाय कंपनियों के नियंत्रण से मुक्ति के प्रयासों में चीन से बड़ी सहायता मिलेगी। पर हाल के समय में चीन ने जो नीतियां अपनाई हैं उनसे तो लगता है कि वह स्वयं इन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की राह पर ही चल निकला है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने खाद्य व्यवस्था पर अपने नियंत्रण के लिए प्रायः जेनेटिक स्तर पर संवर्धित फसलों की तकनीक का बहुत उपयोग किया है। कुछ समय तक तो चीन ने इन जीएम फसलों से अपनी दूरी बनाए रखी, पर हाल के समय में इसने तेजी से अनेक जीएम खाद्य फसलों को अपना लिया है। इसी तरह जीएम खाद्यों के आयात पर प्रतिबंध भी ढीले कर दिए गए। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि चीन की एक बहुत बड़ी सरकारी नियंत्रण की कंपनी ने 43 अरब डालर के एक सौदे में ऐसी एक बड़ी पश्चिमी कंपनी का अधिग्रहण कर लिया जो जीएम फसलों के प्रसार के लिए जानी जाती है व विकासशील देशों के बीज पर अधिक नियंत्रण करने के जिसके प्रयासों की आलोचना होती रही है।

लगता है कि चीन की यह सरकारी कंपनी भी आज नहीं तो कल विकासशील देशों में जीएम फसलों का प्रचार ही करेगी। इस तरह विश्व स्तर के जन–आंदोलनों व किसान आंदोलनों में चीन की इस सरकारी नियंत्रण की कंपनी की भी वैसी ही निंदा होगी जैसी कि पहले पश्चिमी देशों में स्थित बहुराष्ट्रीय कंपनियों की होती रही है। यह आश्चर्य की बात है कि चीन के सामान्य लोगों व उपभोक्ताओं में जीएम फसलों के प्रति बहुत नकारात्मक सोच होने के बावजूद व जन–भावनाओं की उपेक्षा करते हुए वहां की सरकार जीएम फसलों के समर्थन की राह पर चली है। एक अध्ययन में तो यह पाया गया कि केवल 12 प्रतिशत चीनी उपभोक्ताओं की ही जीएम फसलों के प्रति सकारात्मक सोच है व अधिकांश लोग उन्हें हानिकारक ही मानते हैं। एक अन्य सर्वेक्षण में यह पता चला कि 60 प्रतिशत चीन के नागरिकों की जीएम वैज्ञानिकों के प्रति नकारात्मक सोच है।

भारत के सबसे विख्यात वैज्ञानिक प्रो. पुष्प भार्गव आधिकारिक विशेषज्ञ थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर उन्हें अपने सलाहकार की तरह माना और उनका सहयोग प्राप्त किया। उन्होंने जीएम फसलों पर हुए लगभग सभी अनुसंधान पत्रों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला था कि जो स्वतंत्र व निष्पक्ष वैज्ञानिक हैं उनमें लगभग सभी ने जीएम फसलों को हानिकारक पाया है। हां, जो वैज्ञानिक जीएम फसलों का प्रसार करने वाले व्यावसायिक हितों से जुड़े रहे उनकी बात अलग है। चीन की नीति में जो बदलाव आया है, वह वैज्ञानिक आधार पर नहीं आया है अपितु जीएम फसलों व खाद्यों से जुड़ी कंपनियों के नीति–निर्धारकों पर बढ़ते असर के कारण आया है। चीन की नीति में इन कंपनियों के पहले दबदबे व असर के कारण ही नीतिगत बदलाव हुए हैं।

इस विषय पर भारत के सबसे विख्यात वैज्ञानिक प्रो. पुष्प भार्गव आधिकारिक विशेषज्ञ थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर उन्हें अपने सलाहकार की तरह माना और उनका सहयोग प्राप्त किया। उन्होंने जीएम फसलों पर हुए लगभग सभी अनुसंधान पत्रों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला था कि जो स्वतंत्र व निष्पक्ष वैज्ञानिक हैं उनमें लगभग सभी ने जीएम फसलों को हानिकारक पाया है। हां, जो वैज्ञानिक जीएम फसलों का प्रसार करने वाले व्यावसायिक हितों से जुड़े रहे उनकी बात अलग है। चीन की नीति में जो बदलाव आया है, वह वैज्ञानिक आधार पर नहीं आया है अपितु जीएम फसलों व खाद्यों से जुड़ी कंपनियों के नीति–निर्धारकों पर बढ़ते असर के कारण आया है। वहां के बीज व कृषि क्षेत्र में इन कंपनियों के पहले दबदबे व असर के कारण ही नीतिगत बदलाव हुए हैं।

जी.एम. फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार यह रहा है कि यह फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा यह असर जेनेटिक प्रदूषण के माध्यम से अन्य सामान्य फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साइंस पैनल ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने जी.एम. फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसके निष्कर्ष में उन्होंने कहा है– 'जी.एम. फसलों के बारे में जिन लाभों का वादा किया गया था वे प्राप्त नहीं हुए हैं व ये फसलें खेतों में समस्याएं पैदा कर रही हैं। अब इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर ट्रान्सजेनिक प्रदूषण से बचा नहीं जा सकता है। अतः जी.एम. फसलों व गैर जी.एम. फसलों का सह अस्तित्व नहीं हो सकता है।'

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जी. एम. फसलों की सुरक्षा या सेफटी प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण प्राप्त हो चुके हैं जिनसे इन फसलों की सेफ्टी या सुरक्षा संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती है, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता है। जी.एम. फसलों को अब दृढ़ता से रिजेक्ट कर देना चाहिए, अस्वीकृत कर देना चाहिए।'

चीन द्वारा तथ्यों की अवहेलना करते हुए जीएम फसलों को अपना लेने का एक अर्थ यह भी है कि भारत के सामने एक बड़ी संभावना है और एक बड़ी चुनौती है। आगामी वर्षों में दुनिया में सबसे अधिक मांग उन खाद्यों की होगी जो स्वास्थ्य की दृष्टि से सबसे सुरक्षित व उत्तम है। विशेष तौर पर जीएम मुक्त प्राकृतिक खेती के उत्पादों की मांग सबसे अधिक होगी व इसी के लिए बेहतर कीमत भी मिलेगी। चीन स्वयं इस राह से हट रहा है। अब भारत को जीएम मुक्त प्राकृतिक खाद्यों में विश्व का नेतृत्व करना चाहिए व भारत जैसे छोटे किसानों के देश ही इसके लिए सबसे अधिक उपयुक्त भी हैं।

श्रद्धालुओं से भरी टेंपो की ट्रक से टक्कर, चार की मौत, चार घायल

संवाददाता–कुशीनगर। हाटा–कप्तानगंज मार्ग पर नगर पंचायत मथौली में गुरुवार को सुबह श्रद्धालुओं से भरी ऑटो सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। इस भीषण हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी। तीन ने मौके पर जबकि टेंपो चालक ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। एक मासूम बाल–बाल बच गया। इस हादसे में टेंपो के परखचे उड़ गए। स्थानीय लोगों व पुलिस की मदद से घायलों को सीएचसी मोतीचक पहुंचाया गया। वहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद चार लोगों की हालत गंभीर बताते हुये जिला अस्पताल रेफर कर दिया। चारों घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में चल रहा है।

बिहार के बाल्मीकिनगर के मदनपुर मंदिर से पूजा करके कुशीनगर जिले के निवासी सभी श्रद्धालु सुबह कप्तानगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। वहां से घर जाने के लिए टेंपो में सवार हुए थे। टेंपो हाटा–कप्तानगंज मार्ग स्थित नगर पंचायत मथौली के किसान इंटरमीडिएट कॉलेज के समीप पहुंची थी कि अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खड़े गन्ना लदे ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। उसमें सवार श्रद्धालु सड़क पर गिर गये तथा कुछ टेंपो और ट्रक के बीच में फंस गये। मॉर्निंग वाक पर निकले आसपास के लोगों ने फंसे लोगों को बाहर निकाला। पुलिस को सूचना दी। इस हादसे में मंशा चौहान (40)पत्नी छबिलाल निवासी पगरा हाटा स्कूल टोला, कांता चौहान (65) पुत्र जगदेव निवासी फर्द मुंडेरा थाना कप्तानगंज, अवधेश चौहान (45)पुत्र रामइकबाल निवासी पड़ौली थाना महुआडीह जिला देवरिया की मौके पर ही मौत हो गई। ऑटो चालक गगन कुशवाहा (36) पुत्र गामा कुशवाहा निवासी सेमरा थाना कप्तानगंज, कलवाशरी देवी (45) पत्नी रामअवतार निवासी अथरहा थाना कप्तानगंज, रामभवन प्रजापति (60) पुत्र रामअवध निवासी परसौनी कोतवाली हाटा, दिवाकर चौहान (10) पुत्र छबिलाल निवासी पगरा स्कूल टोला हाटा, बुल्ला चौहान (40)पत्नी अवधेश चौहान निवासी पगरा स्कूल टोला, हाटा को लोगों ने सीएचसी मोतीचक पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में टेंपो चालक गगन की मौत हो गई तथा डॉक्टरों ने चार अन्य घायलों की हालत गंभीर बताते हुये मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया।

हादसे की जानकारी पहुंची पुलिस ने इसकी सूचना मृतक व घायलों के परिवारीजनों को देते हुये शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस टेंपो को कब्जे में लेकर थाने ले गई तथा अज्ञात ट्रक चालक पर केस दर्ज कर जांच में जुटी है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया।

हृदय विदारक सड़क हादसे में मदनपुर से लौट रहे तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। चालक की जिला अस्पताल में मौत हो गई। सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। घायलों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

पांच ग्रामीणों को घायल करने वाला तेंदुआ पिंजरे में कैद

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के निशानगाड़ा वन रेंज में पांच ग्रामीणों को घायल करने वाला तेंदुआ बुधवार की रात पिंजरे में कैद हो गया। सूचना पर पहुंचे वन कर्मियों ने स्वास्थ्य परीक्षण के लिए उसे वन रेंज कार्यालय पहुंचाया। जहां स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे ट्रांस गेरुआ के जंगल में छोड़ दिया गया।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के निशानगाड़ा वन रेंज के भट्टा बरगदहा गांव में बीते छह जनवरी को तेंदुए ने दस्तक दी थी। तेंदुआ दो ग्रामीणों के घर घुस गया था और उन्हें घायल कर दिया था। वहीं भागते समय भी तेंदुए ने तीन ग्रामीणों को गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

इसमें गंभीर रूप से घायल दो ग्रामीणों का इलाज अभी भी मेडिकल कॉलेज बहराइच में चल रहा है। हमले के बाद से ग्रामीणों में दहशत थी और ग्रामीण गांव के आसपास तेंदुए के घूमने की बात कह रहे थे। जिस पर सात जनवरी को वन विभाग ने गांव के पास पिंजरा लगाया था।

पांच दिनों तक चकमा देने के बाद बुधवार की रात तेंदुआ बकरी खाने के लालच में पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए की आवाज सुन ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन कर्मियों को दी। सूचना पर पहुंची टीम ने तेंदुए को रेंज कार्यालय पहुंचाया। जहां पशु चिकित्सकों की टीम ने स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे ट्रांस गेरुआ के जंगल में छोड़ दिया।

डीएफओ बी. शिवशंकर ने बताया कि पिंजरे में कैद तेंदुआ मादा है और पूरी तरह स्वस्थ है। जांच में तेंदुए का वजन 45 से 50 किलोग्राम और उम्र लगभग छह साल है। मादा तेंदुए को ट्रांस गेरुआ के उस पार छोड़ा जाएगा।

हादसों में दो बुजुर्गों की मौत दो गंभीर रूप से घायल

संवाददाता–बहराइच। थाना क्षेत्र में रमपुरवा–बौंडी मार्ग पर बुधवार की रात तेज रफ्तार ऑटो ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग को टक्कर मार दी। हादसे में घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हुजूरपुर थाना क्षेत्र में बाइक की टक्कर से बुजुर्ग ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मचा गया। बौडी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैरिया के मजरा बेहडा गांव निवासी जगदीश(68) बुधवार की रात खाना खा कर गांव से बाहर बने अपने दूसरे घर जा रहे थे। इस दौरान रमपुरवा–बौंडी मार्ग पार करते समय उन्हें तेज रफ्तार ऑटो ने टक्कर मार दी। हादसे में जगदीश गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें आननफानन में मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी सूरज कुमार राणा ने बताया कि ऑटो को कब्जे में ले लिया गया है। परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

हुजूरपुर थाना क्षेत्र के खरगांपुर निवासी रघु प्रसाद सिंह (68) बुधवार को इलाज करवाने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरैयाटांड़ गए थे। जहां से रात में परिजनों के साथ वापस लौट रहे थे। इस दौरान हुजूरपुर–करनैलगंज मार्ग पर उदय पब्लिक स्कूल के पास तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए सीएचसी चरदा पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। वहीं सुल्तानपुर निवासी शेर बहादुर बुधवार को किसी कार्य से लखनऊ से रुपईडीहा जा रहे थे। इस दौरान वीरपुर सोरहिया के पास मवेशी बचाने के चक्कर में उनकी कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में उनका टायर दग गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। एयरबैग खुलने से शेर बहादुर को हल्की चोटें आई हैं। थानईगांव निवासी रिश्तेदार पिंटू के घर आए थे। जहां से वापस लौटते समय बाबागंज–गुलमागांव मार्ग पर उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गौतम गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिए सीएचसी चरदा पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज बहराइच रेफर कर दिया। वहीं सुल्तानपुर निवासी शेर बहादुर बुधवार को किसी कार्य से लखनऊ से रुपईडीहा जा रहे थे। इस दौरान वीरपुर सोरहिया के पास मवेशी बचाने के चक्कर में उनकी कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में उनका टायर दग गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। एयरबैग खुलने से शेर बहादुर को हल्की चोटें आई हैं।

वृद्धा पर मधुमक्खियों ने किया हमला, चीख सुनकर पहुंचे ग्रामीणा

संवाददाता–बहराइच। वृद्धा पर बृहस्पतिवार की सुबह मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। वृद्धा की चीख सुन दौड़े ग्रामीणों ने धुंआ कर वृद्धा को बचाया और इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मामला रानीपुर थाना क्षेत्र के कटघरा कला गांव का है। गांव निवासी माया देवी (70) बृहस्पतिवार की सुबह नित्य क्रिया के लिए घर से निकली थीं। लेकिन घर से कुछ दूरी पर पहुंचते ही उन पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों के हमले में माया देवी चीख पड़ी और इधर उधर भागने लगी।

उसकी चीख सुन दौड़े परिजनों व ग्रामीणों ने आग जलाकर धुआं किया और वृद्धा को बचाया। परिजनों ने एंबुलेंस से उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां इमरजेंसी में उनका इलाज जारी है। वृद्धा की हालत गंभीर बनी हुई है।

इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. मनोज चौधरी ने बताया कि एक बुजुर्ग महिला को मधुमक्खियों ने काटा है, जिन्हें भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। हालत गंभीर बनी हुई है।

करंट लगने से छात्रा की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। चक्र भंडार निवासी एक किशोरी की बुधवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से घर में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची कटरा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। नवीन मॉडर्न थाना कटरा के ग्राम चक्र भंडार निवासी सावनी (16) चौधरी राम बिहारी बुद्ध इंटर कॉलेज, कटरा में कक्षा 11 विज्ञान वर्ग की छात्रा थी। बुधवार रात उसे संदिग्ध हालात में सीएचसी इकौना लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दिए बगैर परिजन शव को अपने साथ गांव ले गए। अंतिम संस्कार करने की तैयारी की जा रही थी। इसी बीच चिकित्सक की सूचना पर पहुंची कटरा पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भिजवाया। परिवारीजनों के अनुसार सावनी घर के होल्डर में बल्ब लगा रही थी। तभी अचानक करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष कटरा योगेश कुमार सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद मौत के सही कारणों का पता चलेगा। उसी के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मास्टररोल में मनरेगा की मजदूरी, मौके से कामगार नदारद

संवाददाता–महराजगंज। परतावल क्षेत्र में मनरेगा का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। योजना के तहत एनएमएमएस पोर्टल के मस्टररोल में हर दिन मजदूरों को काम पर लगाने की सूचना प्रदर्शित हो रही है, लेकिन मौके पर मजदूर काम करते नहीं दिख रहे हैं। चक मार्ग पर मनरेगा के काम के सिलसिले में बोर्ड लगाया गया है। लेकिन उसमें कोई ब्योरा नहीं है। चकरोड को देखते हुए यह प्रतीत हो रहा है कि कुछ दिन पहले काम कराया गया है, जबकि मस्टररोल की सूचना के मुताबिक मौके से कार्य नदारद है।

परतावल क्षेत्र में मनरेगा गड़बड़ी के कई मामले सामने आ चुके हैं। कार्रवाई भी हो चुकी है। परतावल क्षेत्र का ही रहने वाले एक एपीओ का नाम मनरेगा घोटाला में जुड़ने के बाद उसकी संविदा समाप्त कर दी गई थी। उसके खिलाफ अभियोग पंजीकृत करने के बाद जेल भी भेजा गया था। इस नए मामले में परफॉर्मेंस ग्रांट में चयनित गांव तरकुलवा तिवारी में मनरेगा के तहत लगाए गए बोर्ड पर जरूरी सूचनाएं दर्ज नहीं करने से सवाल उठाएं जा रहे हैं। मनरेगा में भी बोर्ड पर जरूरी सूचनाएं नहीं होने व मस्टररोल में रोज की हाजिरी व मौके से उसके अनुरुप काम नहीं दिखने से गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है। मामला जानकारी में आने पर पूछताछ शुरू कर दी गई है।

तरकुलवा तिवारी गांव में मनरेगा के एनएमएमएस पोर्टल के मुताबिक तरकुलवा तिवारी की पोखरी से परसा सिवान तक मिट्टी कार्य का मस्टररोल जारी है। इसमें 48 मनरेगा मजदूरों की हाजिरी भी लगाई गई है। पिछले सप्ताह से लेकर सोमवार तक पोर्टल अपडेट भी है। पर ग्रामीणों के मुताबिक इस समय कोई कार्य नहीं हो रहा है। मस्टररोल में जिन मजदूरों की हाजिरी लगाई गई है उसमें से कुछ मजदूर दूसरे जगह काम करते हुए मिले। मनरेगा में हाजिरी के सवाल पर मजदूरों का कहना है कि उनको काम के बदले नगद भुगतान देने के लिए बुलाया गया है। यह नहीं बताया गया है कि उनसे मनरेगा में काम कराया जा रहा है। चक मार्ग पर मिट्टी कार्य पोर्टल पर ऑनलाइन होता देख शिकायत के बाद जिम्मेदारों ने मंगलवार को मस्टररोल शून्य कर दिया, लेकिन सोमवार तक हाजिरी लगाई गई है। बीडीओ श्वेता मिश्रा का कहना है कि मामला जानकारी में नहीं है। जांच के बाद ही स्पष्ट रूप से कुछ बताया जा सकता है।

कुरान को हिफ्ज करने वाले व्यक्ति के दरजात होते हैं बुलंद –अब्दुल हसन

संवाददाता–महराजगंज। सिसवा के लोहिया नगर में स्थित सैय्यदा नूरी गर्ल्स कॉलेज परिसर में फैजाने आला हजरत कॉन्फ्रेंस अलखैर इमदाद सोसायटी ने समारोह का आयोजन कराया। फैजाने आला हजरत कॉन्फ्रेंस अलखैर इमदाद सोसायटी के अध्यक्ष जावेद खान ने किया जलसे की शुरुआत की। समारोह में घोसी मऊ से आये मुफ्ती अब्दुल हसन अजमदी ने तकरीर पेश करते हुए कहा कि कुरान को हिफ्ज करने वाले व्यक्ति के दरजात हमेशा बुलंद होते हैं। उन्होंने कहा कि अगर घर में एक हाफिज हो गया तो समझो घर की बख्शिश का जरिया हो गया। महराजगंज से आए कमरूजमा कमर अलीमी चतुर्वेदी ने बताया कि इस्लाम हिंदू–मुस्लिम एकता का प्रतीक है। हम सभी को आपस में मिलकर रहना चाहिए। हाफिज कारी मोहम्मद अली फैजी ने कहा कि इस्लाम में कभी भी दहेज लेना और देना हराम कहलाता है। इस्लाम सभी धर्म का सम्मान करना सिखलाता है। वहीं हरदोई से आए पीर ए तरीकत सैयद अनस मियां ने कहा की हमें धर्म के आधार पर कुछ राजनीतिक नेताओं द्वारा लड़ाया जाता है और हिंदू–मुस्लिम में फूट डालने का प्रयास किया जाता है। हमें सभी धर्म का मान सम्मान करना चाहिए।

डंपर चालक ने श्रमिक पर ही उड़ेल दी मिट्टी, दबकर दर्दनाक मौत

संवाददाता–बहराइच। बहराइच में बाया जा रहा गोरखपुर–लखनऊ रेल प्रखंड के आमान परिवर्तन कार्य में लगे एक श्रमिक पर बुधवार को डंपर चालक ने मिट्टी डाल दी। मिट्टी में दबे श्रमिक को जब तक बाहर निकाला जाता उसकी मौत हो गई। मौत के बाद बिना पुलिस सूचना के ही श्रमिक के शव को लेकर साथी उनके घर सीतापुर चले गए। पुलिस पड़ताल में जुटी है। घटना जरवलरोड थाना क्षेत्र की है। यहां गोरखपुर–लखनऊ रेल प्रखंड पर नई रेल लाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। इसमें सीतापुर जिले के पेशवा थाना क्षेत्र के ग्राम किठौलिया निवासी अंकुर (18) मिट्टी पटाई काम में लगा था।

बुधवार की शाम लगभग 4 बजे मिट्टी डाल रहे एक डंपर चालक ने अंकुर पर ही मिट्टी उड़ेल दी। अंकुर मिट्टी के नीचे दब गया। जब काम में लगे दूसरे लोगों को इसकी जानकारी हुई तो उसे लेकर सीएचसी मुस्तफाबाद पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने अंकुर को मृत घोषित कर दिया। इस दौरान साथ गए लोग बिना पुलिस सूचना के निजी एंबुलेंस से शव लेकर सीतापुर चले गए। सीएचसी अधीक्षक डॉ. रितेश ने बताया कि लगभग साढ़े चार बजे कुछ लोग सीतापुर निवासी अंकुर को मृत अवस्था में लाए थे। मौत की पुष्टि होते ही शव लेकर सभी निकल हो गए। प्रभारी थानाध्यक्ष अनिरुद्ध यादव ने बताया कि प्रकरण की जानकारी नहीं है और न ही कोई तहरीर मिली है। जांच पड़ताल की जा रही है।

माघ पूर्णिमा पर दर्शन करने वालों भक्तों की संख्या ने बनाया रिकॉर्ड, पहली बार रात एक बजे तक खुला मंदिर

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं में रामलला के दर्शन की जबरदस्त ललक दिख रही है। माघ पूर्णिमा पर रामलला के दर्शन का नया कीर्तिमान बन गया। बुधवार को इतनी भीड़ उमड़ी कि मंदिर रात एक बजे तक खोलना पड़ा। ट्रस्ट की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक करीब 4.50 लाख भक्तों ने रामलला के दर्शन किए। इससे पहले 26 जनवरी 2024 को चार लाख श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई थी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पिछले साल 22 जनवरी को हुई थी। प्राण प्रतिष्ठा के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए राममंदिर पहली बार 26 जनवरी को खोला गया था। अपने आराध्य को भव्य महल में निहारने के लिए लाखों श्रद्धालु पहुंच गए थे। 26 जनवरी को चार लाख श्रद्धालु रामलला के दरबार में पहुंचे थे, यह अब तक एक दिन में रामलला के दर्शन का सबसे बड़ी संख्या थी। प्रयागराज कुंभ से आ रहे श्रद्धालुओं के पलट प्रवाह ने यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार बुधवार की रात मंदिर को एक बजे तक खोलना पड़ा। राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय व ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र प्रशासनिक अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की निगरानी में देर रात तक जुटे रहे। राममंदिर के एक पुजारी ने बताया कि आज से पहले राममंदिर में कभी ऐसी भीड़ नहीं उमड़ी थी। वहीं भीड़ नियंत्रण के लिए गेट नंबर तीन के पास के सभी रास्ते खोल दिए गए हैं। गेट नंबर तीन के एक मार्ग से अभी तक श्रद्धालुओं की निकासी हो रही थी जबकि एक मार्ग निर्माण कार्य के चलते बंद था। बुधवार को भीड़ नियंत्रित करने के लिए यह मार्ग भी खोल दिया गया। यह रास्ता श्रद्धालु सुविधा केंद्र (पीएफसी) सप्तऋषि मंदिर और कुबेर टीला के समीप से होते हुए श्रीराम अस्पताल के आगे रेढ़ी बाजार की ओर निकलता है। निकास की पहले वाली व्यवस्था भी यथावत है। यह निकास मार्ग जहां रामपथ पर निकलता है वहां से अशोक सिंघल फाउंडेशन के नेत्र चिकित्सालय होते हुए रेलवे स्टेशन का रास्ता है।

देवरिया का दूल्हा, एमपी की दुल्हनिया, राष्ट्रपति भवन में लिए 7 फेरे

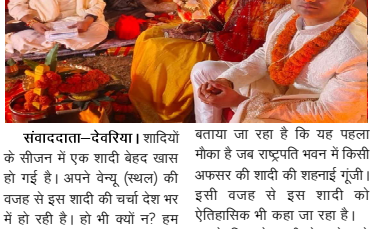

संवाददाता–देवरिया। शादियों के सीजन में एक शादी बेहद खास हो गई है। अपने वेन्यू (स्थल) की वजह से इस शादी की चर्चा देश भर में हो रही है। हो भी क्यों न? हम घर, होटल, मैरिज और बैंक्वेट हॉल में तो शादियां होते देखते ही रहते हैं लेकिन पहली बार राष्ट्रपति भवन में शादी की खबरें जिसने भी सुनीं उसकी इस शादी के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानने की जिज्ञासा हो गई। दूल्हा बने यूपी के देवरिया के अवनीश और दुल्हन बनीं मध्य प्रदेश की पूनम बुधवार की शाम राष्ट्रपति भवन में सात फेरे लिए। राष्ट्रपति की पीएसओ पूनम और असिस्टेंट कमांडेंट अवनीश तिवारी की शादी धूमधाम से हुई। शादी समारोह में पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दूल्हा–दुल्हन को गुलदस्ता भेंट कर आशीर्वाद दिया। बताया जा रहा है कि यह पहला मौका है जब राष्ट्रपति भवन में किसी अफसर की शादी की शहनाई गूंजी। इसी वजह से इस शादी को ऐतिहासिक भी कहा जा रहा है।

देवरिया के भटनी के रहने वाले पंडित राजेश मिश्र ने तिलक और शादी का कार्यक्रम विधिवत संपन्न कराया। देवरिया के के भाटपार रानी क्षेत्र के बड़का दुबे गांव के रहने वाले अनिल तिवारी के बेटे अवनीश तिवारी सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट हैं। वहीं, मध्य प्रदेश के शिवपुरी के की श्रीराम कॉलोनी की रहने वाली पूनम राष्ट्रपति भवन में तैनात हैं। उनकी और पूनम की शादी राष्ट्रपति भवन के मदर टेरेसा क्राउन परिसर में हुई। सुरक्षा कारणों से शादी में परिवार और परिवार के बेहद करीबियों को ही इसमें शामिल होने का मौका मिला।

पहुंचा था। 11 फरवरी को तिलक का कार्यक्रम रखा गया था। बुधवार को हल्दी की रस्म के बाद शादी सम्पन्न हुई। शादी में शामिल होने को देवरिया के बड़का गांव से दर्जन भर परिजन रिस्तेदार पहुंचे थे। भटनी के पंडित राजेश मिश्र ने तिलक का कार्यक्रम विधि–विधान से सम्पन्न करने के बाद शादी कराई। इस शादी को लेकर गांव में उत्साह है और परिजन काफी खुश हैं।

अवनीश तिवारी के परिवार और बड़का दुबे गांव के लिए राष्ट्रपति भवन में शादी का होना बहुत खास है। सब बहुत खुश हैं। परिवार का कहना है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपनी पीएसओ पूनम के व्यवहार से प्रभावित होकर उन्हें शादी के लिए अनुमति दी। अवनीश तिवारी के पिता अनिल तिवारी दार्जिलिंग में एक चाय कारखाना में महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। अवनीश की शुरुआत पढ़ाई वहीं हुई है। अवनीश तिवारी वर्तमान में जम्मू–कश्मीर में तैनात हैं। उनकी और पूनम की शादी राष्ट्रपति भवन के मदर टेरेसा क्राउन परिसर में हुई। सुरक्षा कारणों से शादी में परिवार और परिवार के बेहद करीबियों को ही इसमें शामिल होने का मौका मिला।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई करतलिया बाबा 39 वी पुण्यतिथि, संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। करतलिया बाबा को याद करना संतत्व के एक युग का स्मरण है। वे आराध्य में लीनता की मिसाल थे। गुरुवार को सरयू के संत तुलसीदासघाट स्थित करतलिया बाबा के आश्रम में उनकी 39वीं पुण्यतिथि मनाई गई और इसी के साथ ही उनकी स्मृति फलक पर हुई जहां संत धर्माचार्यों ने आचार्य श्री के व्यक्तित्व पर वाक्यमयी पुष्पांजलि अर्पित की। रामनगरी के सिद्ध पीठों में शुमार श्री करतलियाबाबा आश्रम में मन्दिर के संस्थापक सिद्ध सन्त परमपूज्य श्री करतलिया बाबा जी महाराज की 39 वीं पुण्यतिथि आज बड़े धूमधाम से समापन हुआ कार्यक्रम के समापन में मंदिर प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें रामनगरी समेत पूरे भारत से आये संत धर्माचार्य सहित परिकरों ने आचार्य श्री श्रद्धा सुमन अर्पित कर नमन किया। मंदिर में वृहद भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें आये हुए संतो महंतो का मंदिर के महंत बालयोगी रामदास जी ने परम्परागत तरीके से स्वागत किया।

करतलिया आश्रम के वर्तमान महंत बालयोगी रामदास महाराज के अनुसार बाबा भले ही स्थूलता हमारे बीच न हों पर उनकी साधना–सिद्धि की तरंगें अभी भी आश्रम में व्याप्त हैं और एक बड़े आध्यात्मिक परिकर को बराबर प्रेरित करती हैं।बाबा की पुण्यतिथि बालयोगी रामदास के संयोजन में मनाया गया जिसमें अखंड पाठ का समापन हुआ।

इसी कड़ी में देर शाम दिव्य मां सरयू आरती सेवा संस्थान के तत्वावधान में मां सरयू की भव्य फूल बगले की झांकी और 1 हजार बत्ती की महाआरती का आयोजन किया गया इसके बाद पुण्यतिथि महोत्सव का समापन किया गया।इस मौके पर विश्व विराट विजय राघव मंदिर के महामंडलेश्वर महंत नरसिंह दास, गोगोई मंदिर के महंत राम लखन शरण, हनुमत सदन के महंत अवध किशोर शरण, श्याम सदन मंदिर के पीठाधीश्वर महंत श्रीधर दास, महंत कन्हैया दास,अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद सहित हजारों संतों महंतों भक्तों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

देवरिया और कानपुर छात्रावास ने जीते अपने लीग मुकाबले, बनाई बढ़त

संवाददाता–महराजगंज। रवींद्र किशोर शाही स्पोर्ट्स स्टेडियम में चल रहे ओपेन स्टेट आमंत्रण सीनियर पुरुष टी–20 क्रिकेट प्रतियोगिता में दूसरे दिन दो मुकाबले खेले गए। बृहस्पतिवार की सुबह मेपहला मैच फतेहपुर छात्रावास और देवरिया छात्रावास के मध्य हुआ। देवरिया ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट के नुकसान पर 167 रन बनाए, जिसमें अनूप यादव ने पांच चौके, और छह छक्के की मदद से 35 गेंद पर 64, आकाश गुप्ता 38, तथा साहिल मिश्रा और अश्मित पटेल ने क्रमशः 12 – 12 रन बनाए।

मोबाइल पर दी जान माल की धमकी

संवाददाता–बहराइच। दरगाह थाने के छावनी बाजार के एक युवक ने मोबाइल फोन पर काल कर दूसरे युवक से गाली गलौज कर गोली मारने की धमकी दी। धमकी से घबराए युवक ने तत्काल थाने मे तहरीर दी। पुलिस ने युवक की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नगर कोतवाली के युवक कुलदीप गुप्ता पुत्र बिंदेश्वरी गुप्ता ने कहा कि छावनी बाजार के युवक प्रदीप ने उसके मोबाइल नंबर पर काल कर धमकी दी। यही नही बिना वजह गाली देने के साथ जान से मारने की धमकी दी। इस हरकत पर घबराए युवक ने थाने पहुंच तहरीर दी। पुलिस ने युवक की धाराओं के तहत केस दर्ज कराया गया है।

सीएम योगी ने किया कल्याण मंडपम का लोकार्पण कहा–यह प्रदेश के लिए लोकप्रिय मॉडल बनेगा

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब गरीबों और आर्थिक दृष्टि से निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के कार्यक्रम भी फाइव स्टार सुविधाओं से युक्त होंगे और कल्याण मंडपम इसका माध्यम बनेगा। गोरखपुर के पहले कल्याण मंडपम का आज उद्घाटन हो रहा है और अगले कुछ माह में सात नए कल्याण मंडपम भी बनकर तैयार हो जाएंगे।

इनमें से पांच कल्याण मंडपम के लिए धनराशि उन्होंने अपनी विधायक निधि से दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम के कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए कल्याण मंडपम की बुकिंग मात्र 11 हजार रुपये में करने के निर्देश नगर निगम को दिए गए हैं।

सीएम योगी गुरुवार को करीब 103 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देने के लिए खोराबार टाउनशिप में नगर निगम की तरफ से आयोजित लोकार्पण–शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नगर के नवसृजित वार्ड खोराबार में 4.71 करोड़ रुपये की लागत से बने शहर के पहले कल्याण मंडपम का लोकार्पण करने के साथ ही 4.55 करोड़ रुपये की लागत से बने गैस आधारित पशु शवदाह गृह, महादेवपुरम से रामगढ़ताल में फेज 2 (पम्पिंग स्टेशन) तक 2.46 करोड़ रुपये से नाला निर्माण कार्य, एकला बांध से पशु शवदाह गृह (कारकस प्लांट) तक 0.68 करोड़ रुपये से सड़क निर्माण, महेवा स्थित कान्हा गोशाला में 0.97 करोड़ रुपये से शेड निर्माण का लोकार्पण किया। कुल 26.31 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण करने के अलावा उन्होंने 76.40 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण मंडपम का उद्घाटन नागरिक सुविधाओं के क्षेत्र में एक नई शुरुआत है। किसी भी मांगलिक या सार्वजनिक कार्यक्रम के लिए यह बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि जिनके पास साधन हैं वे होटलों या बड़े लॉन में कार्यक्रम कर सकते हैं लेकिन जिनके पास पैसा नहीं है, जो गरीब हैं वे कहां जाएंगे। इसे लेकर नगर निगम और विकास प्राधिकरण से कहा था कि कल्याण मंडपम के रूप में ऐसा स्थान हो जहां गरीब, निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के वैवाहिक आयोजन, मांगलिक कार्यक्रम सुविधापूर्ण तरीके से हो सकें। इस कल्याण मंडपम में सभागार, डॉरमेट्री, 6 रूम, किचन और लॉन भी है। सीएम योगी ने कहा कि कल्याण मंडपम गरीबों, निम्न और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए स्थायी संपदा हैं जहां फाइव स्टार सुविधाएं हैं। सीएम योगी ने कहा कि आज गोरखपुर नगर निगम और नगर निकायों को विकास की अन्य अनेक योजनाओं की सौगात मिल रही है। इसमें एक महत्वपूर्ण परियोजना पशु शवदाह गृह की है। इससे जानवरों के शव के अंतिम संस्कार की समस्या का समाधान होगा और लोगों को बदबू से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में गोरखपुर की पहचान को सुरक्षित रखते हुए घंटाघर का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।

घंटाघर के बगल में स्थित शहीद बंधु सिंह पार्क में मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण युद्धस्तर पर हो रहा है। पार्कों के विकास, सड़कों के चौड़ीकरण व जलनिकासी की परियोजनाओं पर कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोड़धोइया नाला परियोजना के पूर्ण होते ही शहर को जलभराव की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देसी विधि से राप्ती नदी में गिरने वाले लिक्विड वेस्ट, दूषित जल का शोधन किया जा रहा है जिसका इस्तेमाल खेती में होगा। मुख्यमंत्री ने लोगों से विकास यात्रा में सहभागी बनने और स्वच्छता के प्रति आग्रही बनने की अपील की। इसके लिए आज विमोचित स्वच्छता कॉमिक का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने कहा कि 40 वर्ष में गोरखपुर समेत पूर्वी उत्तर प्रदेश ने गंदगी के कारण होने वाली मौतों को देखा है। गंदगी, कूड़ा, तालाबों को पाटने और नालियों के चोक होने के परिणामस्वरूप इंसेफेलाइटिस से बड़े पैमाने पर मौतें होती थीं। लोगों के स्वच्छता के प्रति आग्रही बनने, स्वच्छ भारत मिशन और डबल इंजन सरकार के प्रयासों के परिणाम से आज इंसेफेलाइटिस पूरी तरह समाप्त है।

हाफ एनकाउंटर, लूट के आरोपी के पैर में लगी गोली, दो गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। पिछले कुछ दिनों से लगातार बदमाशों को पकड़ने में जुटी हुई है। देवरिया के बाद अब सिद्धार्थनगर में पुलिस ने हाफ एनकाउंटर किया है। दरअसल चिल्हिया थाना क्षेत्र में छह फरवरी को हार्डवेयर व्यवसायी से लूट के दो आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। एक के पैर में गोली लगी है जबकि दूसरे को घेर कर पकड़ लिया गया है। एसपी डॉ अभिषेक महाजन ने बताया कि लूट की घटना को अंजाम देने वाले रामजीत यादव और निलेश उर्फ नीलू पासवान निवासी जगदीशपुर राजा थाना सिद्धार्थनगर को बर्डपुर, गौरा मार्ग पर पुलिस ने मुठभेड़ में गुरुवार को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में रामजीत यादव के पैर में गोली लगी है उसे अस्पताल में भर्ती कर दिया गया है। निलेश को घेर कर पकड़ लिया गया है। उनके पास से एक देसी पिस्टल 32 बोर, एक जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, एक चाकू, लूट के15,400 नकद बरामद किया गया है। आरोपियों के खिलाफ धारा 309(4), 317(2), 61(2), 3(5), 109(1), 3/25, 4/25, 5/27(1) आर्म्स एक्ट की कार्यवाही की गई है।

इससे पहले देवरिया के खुखुन्दू क्षेत्र में एक व्यक्ति की दबंगों द्वारा की गई थी। सीएम योगी ने खुद इस मामले को संज्ञान लिया था। जिसके बाद गिरफ्तार किए गए बदमाशों में से एक के पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश में की। जिस पर पुलिस ने उसके पैर पर गोली मारकर दोबारा पकड़ लिया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने यहां बताया कि 6 जनवरी को तेज गति से बाइक चलाने से मना करने पर कुछ लोगों ने क्षेत्र के बरवा उपाध्याय गाँव के दिनेश गुप्ता और तारकेश्वर गुप्ता को मारपीट कर घायल कर दिया था जिसमें दिनेश गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि लखनऊ के पीजीआई में तारकेश्वर गुप्ता की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस मामले में स्थानीय पुलिस ने राम गणेश यादव, मनीष यादव, मुकेश यादव और अनिल यादव को गिरफ्तार कर ली है। उन्होंने बताया कि बुधवार को मुकेश यादव को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर उसका मेडिकल कराने के लिए टीम आ रही थी कि उसी दौरान सरया मोड के पास मुकेश यादव ने शौच का बहाना बनाकर उतरा और दरोगा की पिस्टल छीन करके पुलिस पार्टी पर फायर करते हुए भागने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके दाएं पैर में गोली लगी है। उसको मेडिकल कॉलेज देवरिया में भर्ती करा दिया गया है।

विदेशी विश्वविद्यालयों से भी एमओयू करें भारतीय विवि -राज्यपाल

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या स्थित आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय गुरुवार को राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल पहुंची। यहां उन्होंने भारतीय कृषि विश्वविद्यालय के 48वें कुलपति सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने छात्र हितों को लेकर कुलपतियों को नसीहत दी।

उन्होंने कहा कि केवल अंतर विश्वविद्यालय से एमओयू से काम नहीं चलेगा। अब वह समय आ गया है कि अब विदेशी विश्वविद्यालय से भी एमओयू किया जाए। कुलपति सम्मेलन को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में लगभग 45 विदेशी विश्वविद्यालय हिंदुस्तान में आए थे। उस सम्मेलन में 300 कुलपति भी आए थे। राज्यपाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के 23 कुलपतियों को मैंने उस सम्मेलन में भेजा था। मैं खुद भी उस सम्मेलन में उपस्थित थी। उस सम्मेलन में विदेशी विश्वविद्यालय के साथ भारत के चार विश्वविद्यालयों का एमओयू हुआ। आज केवल अंतर विश्वविद्यालय एमओयू कर रहे हैं। पिछले तीन साल से विश्वविद्यालय छात्रों को हित को लेकर एमओयू कर रहे हैं। कहा कि अब समय है विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू किया जाए। विदेशी विश्वविद्यालय किस तरह आगे बढ़े हैं, यह देखने की जरूरत है। हमारे विश्वविद्यालय सीमित हो कर रह गए हैं। अब तो हालात यह हो गए हैं हमारे विश्वविद्यालय के कुलपति भी आपस में नहीं मिलते हैं।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कुलपतियों को छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए आपस में मिलकर विचार विमर्श करना चाहिए। लेकिन, दुख है कि कुलपतियों का मिलन केवल चाय और नाश्ते तक ही सीमित रह गया है। उन्होंने प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

क्षय रोग उन्मूलन के लिये निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । । राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत चल रहे 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के अंतर्गत औद्योगिक विकास इंटर कॉलेज बिहरा में साहित्य, कला और संगीत के प्रति समर्पित सामाजिक संस्था बस्ती विकास समिति एवं रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल द्वारा टीबी रोग के जन जागरूकता अभियान के तहत टीबी रोग के लक्षण,जांच, बचाव एवं इलाज पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। टीबी से बचाव के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन कर छात्र छात्राओं को टीबी के प्रति जागरूक किया गया।

निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 12 की छात्रा अनुष्का ने पहला, कक्षा 8 की छात्रा सरस्वती ने दूसरा व कक्षा 10 की छात्रा सुनीता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को बस्ती विकास समिति द्वारा प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

बस्ती विकास समिति के संस्थापक अध्यक्ष राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को दो हफ्ते से अधिक खांसी का होना, लगातार बुखार होना, रात में पसीना आना और वजन घटना आदि टीबी बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। दो सप्ताह से अधिक समय से खांसी आ रहा हो, वजन घट रहा हो, खांसी के साथ खून आ रहा हो तो इसको नजर अंदाज न करें, बल्कि तुरंत बलगम की जांच कराएं। जांच में टीबी रोग निकलता है तो इसकी दवा तत्काल शुरू करें, नियमित रूप से दवा खाने से यह रोग ठीक हो सकता है। बच्चे इस दिशा में सावधानी बरतें जो लक्षण बताए गए हैं अगर किसी को परिवार में, गांव में या कहीं पर ऐसे लक्षण दिखें तो तुरंत जांच कराएं।

रोटरी क्लब बस्ती सेंट्रल के चार्टर सचिव रो. एल. के. पाण्डेय ने कहा कि टीबी आमतौर पर फेफड़ों में होती है। लेकिन शरीर के अन्य अंगों में भी फैल सकती है। उन्होंने बच्चों से अपील कि वे अपने परिवार और समाज में टीबी के बारे में जागरुकता फैलाएं।

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के वरिष्ठ टीबी प्रयोगशाला पर्यवेक्षक संजय पाण्डेय ने कहा कि टीबी माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक बैक्टीरिया के कारण होने वाली बीमारी है। बैक्टीरिया शरीर के किसी भी हिस्से पर हमला कर सकता है, लेकिन आमतौर पर फेफड़ों पर हमला करता है। जर्मन वैज्ञानिक रॉबर्ट कोच ने 24 मार्च 1882 को टीबी रोग के कारण का पता लगाया था ।

इस मौके पर प्रधानाचार्य सतीश रंजन सिंह, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक कप्तानगंज गिरीश चंद्र गुप्ता, रो. मनीष सिंह, डॉक्टर्स फॉर यू के अभिषेक सिंह, राहुल, अजय प्रताप सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महिला आयोग की जनसुनवाई में 38 शिकायतों में 18 का निस्तारण

संवाददाता–अयोध्या। राज्य महिला आयोग की सदस्य ऋतु शाही बृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंची। उन्होंने सर्किट हाउस के सभागार में पीड़ित महिलाओं की सुनवाई की। इस दौरान महिलाओं की सुनवाई करते हुए आयोग की सदस्य ने कहा कि सुनवाई के दौरान 38 शिकायतें आई हैं। इसमें से 18 शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर दिया गया है। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा घरेलू हिंसा के मामले सामने आए हैं। कुछ मामलों का स्थानीय स्तर पर निस्तारण कर दिया गया है। जो मामले निस्तारित नहीं हो पाए हैं, उन्हें संबंधित अधिकारियों से कहा गया है कि वे इसका निस्तारण करें। कुछ ऐसी महिलाएं हैं, जिन्हें ससुराल जाने में भी समस्या आ रही है, उसे भी सुलझाने का प्रयास किया गया है। सुनवाई के दौरान अयोध्या कोतवाली आशापुर गांव से पांच मई 2024 को लापता हुए सहायक अध्यापक आशुतोष वर्मा का मामला उनकी पत्नी शिखा वर्मा ने उठाया। शिखा वर्मा ने बताया कि उनके पति मवई शिक्षा क्षेत्र के नवाजपुर कंपोजिट विद्यालय के सहायक अध्यापक हैं और किन्ही कारणवश पांच मई 2024 को लापता हो गए थे। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की थी। लेकिन, एफआईआर दर्ज नहीं की। कोर्ट के आदेश के बाद केस दर्ज तो किया लेकिन नौ महीने के बाद भी पुलिस उनके पति को ढूंढ नहीं पाई है। महिला आयोग की सदस्य रितु शाही ने शिखा वर्मा को आश्वासन दिया है कि पुलिस जल्द ही उनके पति को ढूंढ कर उनके हवाले करेगी।

अयोध्या को जल्द मिलेगी ड्रग वेयर हाउस की सौगात

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या को जल्द ही ड्रग वेयर हाउस की सौगात मिलने वाली है। 9.18 करोड़ रुपये की लागत से बीकापुर में इसका निर्माण हो रहा है। मार्च के बाद इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके निर्माण से क्षेत्र में दवाइयों की उपलब्धता बढ़ जाएगी। आसपास के सीएचसी और पीएचसी में दवाओं की सीधी आपूर्ति हो सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के हर जिले में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ड्रग वेयर हाउस बनाया जा रहा है। इस व्यवस्था से जनपद स्तर तक दवाओं की किल्लत समाप्त होगी। अयोध्या में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना के अंतर्गत आवास विकास परिषद की ओर से बीकापुर में ड्रग वेयर हाउस निर्माण कराया जा रहा है। यह दो तल का है। इसमें गोदाम व कार्यालय के साथ कोल्ड चेन कक्ष भी शामिल है। ड्रग वेयर हाउस का निर्माण मार्च 2023 में शुरू किया गया था। दिसंबर 2024 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य था। हालांकि अब डेडलाइन मार्च 2025 कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के जेई एसबी सिंह ने बताया कि मार्च के अंत तक कार्य के पूरा होने की संभावना है। ड्रग वेयर हाउस का निर्माण कार्य लगभग 95 फीसदी पूरा हो गया है। इसका संचालन सीधे मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय से होगा। यहां पर फार्मासिस्टों और अन्य स्टाफ की तैनाती की जाएगी। इतना ही नहीं यहां भी जिला स्तरीय ड्रग वेयर हाउस की तरह सभी जीवन रक्षक और अन्य आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहेंगी। खास बात यह है कि बीकापुर में इस ड्रग वेयर हाउस के बनने से हैदरगंज, तारुन व बीकापुर सीएचसी समेत अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाओं की सीधी आपूर्ति हो सकेगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

सि0 अपील सं0–46/2023

अदालत– श्रीमान अपर जिला जज/ एफ0टीसी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राम बहादुर आदि

बनाम

सुग्रीव आदि

1. हृदयराम पुत्र रामअवध साकिन परसीजोत तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–03–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 20 महीना 03 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

आचार्य सत्येंद्र दास को श्रद्धांजलि देने उमड़े लोग संत तुलसीदास घाट पर दी गई जल समाधि

संवाददाता–अयोध्या। राम जन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास की अंतिम यात्रा बृहस्पतिवार को निकाली गई। यात्रा तपस्वी छावनी, दीनबंधु, जानकी महल, लता चौक होते हुए संत तुलसीदास घाट पहुंची। यहां उन्हें जल समाधि दी गई।

इससे पहले उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्त, राम मंदिर के ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास, महंत राघवेश दास वेदांती, कांग्रेस नेता राजेंद्र प्रताप सिंह, आचार्य नारायण मिश्र, बबलू खान सहित बड़ी संख्या में संत एवं श्रद्धालु उनके आश्रम पर पहुंचे। संतों की ओर से उन्हें पद्म भूषण दिए जाने की मांग उठाई गई।

बुधवार को आचार्य सत्येंद्र दास का लखनऊ के पीजीआई में निधन हो गया था। इसके बाद अंतिम दर्शन के लिए उनका शव उनके आवास पर रखा गया था। जहां देर रात तक उन्हें श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी रहा।

आचार्य सत्येंद्र दास ढांचा विध्वंस से राम मंदिर निर्माण तक के साक्षी रहे हैं। रामलला की 34 साल सेवा की। आचार्य सत्येंद्र दास के साथ सहायक पुजारी के रूप में कार्य करने वाले प्रेमचंद्र त्रिपाठी बताते हैं कि बाबरी विध्वंस के समय रामलला समेत चारों भाइयों के विग्रह बचाने के लिए आचार्य उन्हें गोद में लेकर गए थे।

वह टेंट में रामलला के दुर्दिन देखकर रोते थे। करीब चार साल तक अस्थायी मंदिर में विराजे रामलला की सेवा मुख्य पुजारी के रूप में की। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के समय भी उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलके थे। स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते उनके मंदिर आने–जाने पर कोई शर्त लागू नहीं थी। आचार्य सत्येंद्र दास ने साल 1975 में संस्कृत विद्यालय से आचार्य की डिग्री हासिल की। 1976 में उन्हें अयोध्या के संस्कृत महाविद्यालय में सहायक शिक्षक की नौकरी मिली। रामलला की पूजा के लिए उनका चयन 1992 में बाबरी विध्वंस के नौ माह पहले हुआ था। उनकी उम्र 87 हो चुकी थी, लेकिन रामलला के प्रति समर्पण व सेवा भाव को देखते हुए उनके स्थान पर अन्य मुख्य पुजारी का चयन नहीं हुआ।

आचार्य सत्येंद्र दास ने कुछ दिन पहले कहा था कि, मैंने रामलला की सेवा में लगभग तीन दशक बिता दिए हैं। आगे जब भी मौका मिलेगा तो बाकी जिंदगी भी उन्हीं की सेवा में बिताना चाहूंगा। यह रामलला के प्रति उनकी अगाध आस्था का परिचायक है।

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या–22/2025

1. श्रीमती बसंती उम्र लगभग 54 वर्ष पत्नी स्व0 हेमराज 2. सबलू उर्फ विजय बहादुर उम्र लगभग 19 वर्ष पुत्र स्व0 हेमराज 3. बबलू उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्र स्व0 हेमराज 4. फूला देवी उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्री स्व0 हेमराज साकिन बनकटा पो0 कड़जा विकास खण्ड खेसरहा तप्पा मजोरा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

इस्टेट

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

तारीख पेशी 24–02–2025

अपने मृतक को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2025 के 02 के 24 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा।

20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त मूसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतर्फा (आर्डर 9 कायदा 13)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण सिविल वाद सं0 186/2018

मोहम्मद अली आदि

बनाम

राजेन्द्र सिंह (मृतक) आदि

1/1 मंजुला उम्र 55 साल पत्नी राजेन्द्र सिंह 1/2 देवेश प्रताप सिंह उम्र 30 साल पुत्र राजेन्द्र सिंह 1/3 स्वाती सिंह उम्र 34 साल 1/4 बिनू सिंह उम्र 32 साल पुत्रीगण राजेन्द्र सिंह निवासीगण साकिन हरदी खास तप्पा हरदी परगन बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–03–2025

हरगाह मुद्दाअलेह मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतरफा मुवरिखा जो साकिन मजकुरूसदर में साबित हो चुकी है पेश की है। लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस में बतारीख 20 माह 03 सन 2025 या बजरिये वकील अदालत हाजा या बजरिये मुख्तार मजाज हुक्म जाप्ता और वाकिफ हाजा मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) हाजिर करें कि नाममुद्दई की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)

(आर्डर 5 कायदा 3)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

इजरा वाद सं0 07/2022

मेसर्स नीमा मार्केटिंग इन्टर प्राइजेज

बनाम

मेसर्स आशीष टेडर्स आदि

1. मेसर्स आशीष टेडर्स प्रोपराइटर श्री जयप्रकाश अग्रवाल साकिन सुर्तीहट्टा पाण्डेय बाजार पोस्ट पुरानी बस्ती जनपद–बस्ती 2. मेसर्स आशीष टेडर्स प्रोपराइटर श्री जयप्रकाश अग्रवाल साकिन सुर्तीहट्टा पाण्डेय बाजार पोस्ट पुरानी बस्ती जनपद–बस्ती

तारीख पेशी 11–03–2025

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 11 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0–793/2024

गिरजाशंकर

बनाम

जगजीत आदि

1. जगजीत पुत्र रामअवध 2. जगदीश पुत्र रामलखन साकिनान ग्राम बाघापार तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दो बाइक की टक्कर में दंपति सहित चार लोग घायल, गंभीर

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा क्षेत्र के नई बाजार–चौरीचौरा मार्ग पर स्थित बेलही मोड़ हनुमान मन्दिर के पास गुरुवार को दो बाइक की आपस में टक्कर हो गई। इसमें बाइक सवार चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से घायलों को पीएचसी ब्रह्मपुर पहुंचाया गया। उनकी हालत गम्भीर देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

देवरिया के रुद्रपुर निवासी राजन (40) अपनी पत्नी जया देवी (35) के साथ किसी काम से बाइक से नई बाजार होते हुए चौरीचौरा जा रहे थे। चौरीचौरा के तरफ से झंगहा क्षेत्र के बेनीजोत खरहरा निवासी राहुल (30) व गहिरा निवासी सूरज (26) वापस आ रहे थे। सड़क पर एक युवक अपनी बाइक को लहरा रहा था। उसे बचाने के चक्कर में दोनों बाइक की आपस में टक्कर हो गई। इसमे दोनों बाइक पर सवार दंपति सहित चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर झंगहा पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई।

राष्ट्रीय लोक अदालत आठ को

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जिले में आठ मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी ने दी।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406, ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com